



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 486]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 29, 1984/पौष 8, 1906

No. 486]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1984/PAUSA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1984

सं. 229/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का नि. 834(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद  
शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा  
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त  
मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 36/84-  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1984 में निम्नलिखित  
संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपादद्ध सारणी में, क्रम सं 11  
और उसमें संबंधित प्रविष्टि का लोप किया जाएगा।

[फा. सं 149/1/82-सीएक्स-4]

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1984

No. 229/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 834(E).—In exercise of the powers confer-  
red by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise

Rules, 1944, the Central Government hereby makes  
the following further amendment in the notification of  
the Government of India in the Ministry of Finance  
(Department of Revenue) No. 36/84-Central Excises,  
dated the 1st March, 1984, namely :—

In the Table annexed to the said notification, Sl.  
No. 11 and the entry relating thereto shall be omit-  
ted.

[F. No. 149/1/82-CX.4]

अधिसूचना

सं. 230/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का नि. 835 (अ):—केन्द्रीय सरकार का समाधान  
हो गया है कि उस प्रणाली के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद  
शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1)  
की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के (जिसके अंतर्गत  
उनका अनुव्यहण भी है), उद्यहण की बाबत साधारणतः  
विद्यमान थी, उक्त अधिनियम की पञ्चमी अनुसूची की  
मद 26ख की उपमद (1) के अंतर्गत आने वाली जस्ते की  
सिल्लियों पर उत्पाद शुल्क वहा उद्यहण नही किया जा  
रहा था जहा ऐसी जस्ते की सिल्लिया का उपयोग एक  
अगस्त, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 12 मार्च, 1982

को समाप्त होने वाली कालाबाध के दौरान उत्पाद कारखाने में जस्ते के चूर्ण के विनिर्माण में किया गया था और इस प्रकार विनिर्माण जस्ते के चूर्ण का उपयोग अंतर्गत जस्ते के विनिर्माण में किया गया था ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के अधीन संदेय संपूर्ण उत्पाद शुल्क और निम्नलिखित उत्पाद शुल्क, अर्थात् :—

- (क) वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 36 की उपधारा (1) के अधीन संदेय सहायक उत्पाद शुल्क,
- (ख) विशेष उत्पादन शुल्क को,
  - (i) वित्त अधिनियम, 1978 (1978 का 19) की धारा 37 की उपधारा (1)
  - (ii) वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 32 की उपधारा (1),
  - (iii) वित्त अधिनियम 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (1),
  - (iv) वित्त अधिनियम, 1981 (1981 का 16) की धारा 49 की उपधारा (1), और
  - (v) वित्त अधिनियम, 1982 (1982 का 14) की धारा 50 की उपधारा (1),

के अधीन ऐसी जस्ते की सिल्लियों पर संदेय है किन्तु जो उक्त प्रणाली के कारण संदेय नहीं किया जा रहा है, ऐसी जस्ते की सिल्लियों की बाबत, जिन पर पूर्वोक्त अर्वाध के दौरान उक्त उत्पादन शुल्क, सहायक उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उद्ग्रहीत नहीं किए गए थे, उक्त प्रणाली के अनुसार संदेय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा।

[फा सं. 140/1/83-सी एक्स-4]

#### NOTIFICATION

##### No. 230/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 835(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof), under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on zinc ingots, falling under sub-item (1) of Item 26B of the First Schedule to the said Act, was not being levied where such zinc ingots were used in the factory of production in the manufacture of zinc dust, and the zinc dust so manufactured were used in the manufacture of zinc unwrought, during the period commencing on the 1st August, 1976 and ending with the 12th March, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of the

excise payable under the said Act and the following duties of excise, namely :—

- (a) the auxiliary duty of excise payable under sub-section (1) of section 36 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976);
- (b) the special duties of excise payable under—
  - (i) sub-section (1) of section 37 of the Finance Act, 1978 (19 of 1978),
  - (ii) sub-section (1) of section 32 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979),
  - (iii) sub-section (1) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980),
  - (iv) sub-section (1) of section 49 of the Finance Act, 1981 (16 of 1981), and
  - (v) sub-section (1) of section 50 of the Finance Act, 1982 (14 of 1982),

on such zinc ingots, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such zinc ingots, on which the said duty of excise, auxiliary duty of excise and special duties of excise, were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 140/1/83-CX4]

#### अधिसूचना

म. 231/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 836(अ).—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि एक प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पादशुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतः प्रचलित थी, उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची की तत्समय विद्यमान मद सं. 26क की उपमद (4) के अंतर्गत आने वाले तांबे के पाइपों और ट्यूबों के लिए शैलों और ब्लैकों पर कोई उत्पाद शुल्क वहां उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था जहां ऐसे शैलों और ब्लैकों का उपयोग, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 169/83-केन्द्रीय उत्पादशुल्क, तारीख, 21 जून, 1983 और अधिसूचना सं. 292/83-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख, 17 दिसम्बर, 1983 के अधीन, आनिमय प्रयोजनों के लिए छूट प्राप्त तांबे की पाइपों और ट्यूबों के विनिर्माण में उत्पादन के कारखाने में, 21 जून 1983 को आरम्भ होने वाली और 31 जुलाई, 1984 को समाप्त होने वाली तथा 17 दिसम्बर, 1983 को आरम्भ होने वाली और 31 जुलाई 1984 को समाप्त होने वाली अवधियों के दौरान किया जा रहा था;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त पृथक के न होने पर तांबे की पाइपों और ट्यूबों के लिए ऐसे शैलों और ब्लैकों पर उक्त अधिनियम के

अधीन संदेय संपूर्ण उत्पाद शुल्क और वित्त अधिनियम, 1983 (1983 का 11) की धारा 55 की उपधारा (1) और वित्त अधिनियम 1984 (1984 का 21) की धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन संदेय और विशेष उत्पाद शुल्क तांबे का पाइपों और ट्यूबों के लिए ऐसे शैलों और ब्लैंकों को बाहर संदेय किया जाता अशेष नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार, उपर्युक्त अवधियों के दौरान उद्ग्रहणीय नहीं किया गया था।

[फा. सं. 138/12/84-सी एक्स 4]

एच. वी. चौहान, अवर सचिव

#### NOTIFICATION

#### No. 231/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 836(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof), under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on shells and blanks for pipes and tubes of copper, falling under the then existing sub-item (4) of Item No. 26A of the First Schedule to the said Act,

was not being levied where such shells and blanks were used in the factory of production in the manufacture of copper pipes and tubes, exempted for certain purposes under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 169/83-Central Excises, dated the 21st June, 1983 and No. 292/83-Central Excises, dated the 17th December, 1983, during the periods commencing on the 21st June, 1983 and ending with the 31st July, 1984 and on the 17th December, 1983 and ending with the 31st July, 1984, respectively;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act and the special duties of excise payable under sub-section (1) of section 55 of the Finance Act, 1983 (11 of 1983) and sub-section (1) of section 52 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), on such shells and blanks for pipes and tubes of copper, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such shells and blanks for pipes and tubes of copper on which the said duty of excise and the special duties of excise were not levied during the periods aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 138/12/84-CX.4]

H. V. CHAUHAN, Under Secy.

